तीसरी सीट के लिए भाजपा से महेश केवट ने भरा नामांकन

- सीएम, प्रदेश अध्यक्ष सहित आधा मंत्रिमंडल भी रहा मौजूद
- तीसरी सीट के लिए भाजपा का बड़ा दांव

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 8 जून. राज्यसभा की तीसरी सीट के लिए सोमवार को भाजपा ने भी ताल ठोंक दी है. रविवार देर रात महेश केवट के नाम पर सहमति के बाद सोमवार दोपहर को केवट ने भी राज्यसभा चुनाव के लिए दावेदारी जताते हुए नामांकन जमा कर दिया है. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल सहित भाजपा के दिग्गज नेताओं के साथ आधा मंडिमंडल भी इस दौरान मौजूद था, जो कि इस बाद का संकेत दे रहा था कि भाजपा तीसरी सीट जीतने के लिए भी गंभीर है.

राज्यसभा उम्मीदवार केवट की ओर से नामांकन के तीन सेट जमा किए गए. सभी सेट में विधानसभा के 10-10 सदस्य प्रस्तावक बने हैं. सोमवार को नामांकन भरने का अंतिम दिन था, अब 9 जून को नामांकन पत्रों की जांच होगी, उम्मीदवार 11 जून तक नामांकन वापस ले सकेंगे. भाजपा के तीसरे उम्मीदवार की दावेदारी से अब तय हो गया है, कि 18 जून को राज्यसभा चुनाव के लिए प्रदेश में मतदान होगा. राज्यसभा की तीन सीटों के लिए कांग्रेस की मीनाक्षी नटराजन ने भी सोमवार को नामांकन दाखिल किया है. शनिवार को भाजपा की ओर से तरुण चुघ और रजनीश अग्रवाल ने भी नामांकन भर दिया था. इस तरह तीन सीटों के लिए भाजपा की ओर से तीन उम्मीदवार और कांग्रेस की ओर से एक उम्मीदवार मैदान में हैं.

नामांकन भरने से पहले सबेरे बीना से विधायक निर्मला सप्रे सीएम हाउस पहुंचीं और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की. इस मुलाकात को राज्यसभा चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है. दरअसल निर्मला सप्रे अभी तकनीकी रूप से कांग्रेस विधायक हैं, लेकिन उन्होंने पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा का दामन थाम लिया था, निर्मला सप्रे ने अब तक विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा नहीं दिया है. ऐसे समय जब कि तीसरी सीट के लिए भाजपा के लिए एक-एक वोट का महत्व बढ़ गया है, निर्मला सप्रे का साथ भाजपा के लिए किसी राहत से कम नहीं है. सोमवार सबेरे ही मुख्यमंत्री निवास में भाजपा विधायक दल की बैठक भी हुई. इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव सहित चुंनिदा पदाधिकारियों ने विधायकों को राज्यसभा के निर्वाचन की प्रक्रिया की जानकारी साझा की.

सीएम के साथ विधानसभा सचिवालय पहुंचे केवट

राज्यसभा के लिए नामांकन भरने से पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित ज्यादातर भाजपा के दिग्गज और मंत्री पहले भाजपा कार्यालय पहुंचें. यहां सीएम, प्रदेश अध्यक्ष और केवट ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और फिर उसके बाद नामांकन जमा करने के लिए विधानसभा सचिवालय के लिए रवाना हुए. सबसे बड़ी बात ये कि भाजपा उम्मीदवार महेश केवट सीएम डॉ. यादव के साथ ही उनकी कार में बैठकर विधानसभा परिसर पहुंचें, जहां विधानसभा के प्रमुख सचिव और रिटर्निंग ऑफिसर के सामने उन्होंने नामांकन भरा.

केवट ने मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

सोमवार को नामांकन भरने से पहले महेश केवट ने रविवार को ही मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था, उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है. केवट को पिछले माह ही बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया था. केवट मूल रूप से बुंदेलखंड के निबाड़ी जिले के ओरछा से आते हैं.

दुष्कर्म पीड़िता ने गर्भपात से किया इंकार, हाईकोर्ट ने मां बनने की दी अनुमति

जबलपुर. हाईकोर्ट के जस्टिस आरके वाणी की ग्रीष्म अवकाश कालीन पीठ ने दुष्कर्म से गर्भवती हुई एक नाबालिग पीड़िता के मामले में संवेदनशील और मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए उसे बच्चें को जन्म देने की अनुमति प्रदान कर दी है. साथ ही राज्य शासन को निर्देशित किया है कि नवजात के 16 वर्ष की आयु तक उसकी शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और अन्य आवश्यक जरूरतों का खर्च वहन किया जाए. न्यायालय ने उक्त आदेश खरगौन जिले के बालकवाड़ा थाना क्षेत्र से जुड़े एक पाक्सो प्रकरण में पारित किया. गर्भावस्था 24 सप्ताह से अधिक होने तथा पीड़िता के नाबालिग होने के कारण मंडलेश्वर स्थित विशेष पाक्सो न्यायालय ने मार्गदर्शन हेतु प्रकरण हाईकोर्ट को प्रेषित किया था, जिस पर संज्ञान लेकर सुनवाई की गई.

केंद्रीय मंत्री ने ईई को जमकर फटकारा

- घटिया निर्माण कार्य को लेकर जताई नाराजगी

टीकमगढ़, 08 जून. लोक निर्माण विभाग के घटिया निर्माण कार्य को देख मोदी कैबिनेट के मंत्री को गुस्सा आ गया और उन्होंने गुस्से में लोक निर्माण विभाग के ईई को जमकर फटकार लगाई. इतना ही नहीं अटल सभागार का उद्घाटन करे बिना ही मंत्री जी वहां से नाराज होकर चल दिए.

दरअसल लिधौरा ताल में सोमवार को केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार 10 लाख रुपए की लागत से निर्मित अटल सभागार का उद्घाटन करने पहुंचे. सभागार के घटिया निर्माण चटका फर्श और दीवार का काम को देखकर केंद्रीय मंत्री ने गहरी नाराजगी व्यक्त की और बिना फीता काटे ही वापस लौट गए. इसके बाद उन्होंने पीडब्ल्यूडी विभाग के कार्यपालन यंत्री मनोज दुबे को घटिया निर्माण के लिए कड़ी फटकार लगाई. मंत्री ने विशेष रूप से सभागार में कोटा स्टोन की जगह सीमेंट फर्श लगाए जाने पर आपत्ति जताई, जो उद्घाटन से पहले ही कई जगह से उखड़ गया था. सभागार की सीढियों की गुणवत्ता भी खराब पाई गई, जिनमें जगह-जगह दरारें आ गई थीं।यह अटल सभागार केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार द्वारा सांसद निधि से दिए गए 10 लाख रुपये की राशि से सार्वजनिक उपयोग के लिए तैयार किया गया था. इसके निर्माण की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी विभाग को दी गई थी, और मेसर्स शर्मा एसोसिएट के ठेकेदार सार्थक शर्मा ने इसका निर्माण कार्य किया था।केंद्रीय मंत्री ने सभागार में बैठकर पूजन तो किया, लेकिन उद्घाटन का फीता नहीं काटा.

उन्होंने पीडब्ल्यूडी अधिकारी से कहा कि शासन की राशि का इस तरह दुरुपयोग नहीं होना चाहिए. उन्हें स्वागत-सत्कार या फूलमालाओं की कोई चाह नहीं है, बल्कि गुणवत्तापूर्ण कार्य ही उनका सच्चा सम्मान है. मंत्री ने पीडब्ल्यूडी अधिकारी को सभागार के फर्श पर कोटा स्टोन बिछाने, सीढियों में सुधार करने और समग्र गुणवत्ता में सुधार लाने के निर्देश दिए.

गिरिबाला सिंह की बैरक की सुरक्षा प्रभारी को हटाया

जेल में वीआईपी ट्रीटमेंट देने का आरोप

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 08 जून. ट्विशा शर्मा मौत के मामले में पूर्व जज गिरिबाला सिंह को सेंट्रल जेल भोपाल में वीआईपी ट्रीटमेंट देने वाली महिला अधिकारी पर गाज गिर गई है. गिरिबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में रखा गया है.

जानकारी सामने आई है कि गिरिबाला की बैरक की सुरक्षा प्रभारी डिप्टी जेलर जया यादव को वीआईपी ट्रीटमेंट देने के आरोप में हटाया गया है. जया के स्थान पर अब एक महिला मेट्न (वार्डन) की नियुक्ति की गई है. जेल प्रशासन ने यह फैसला डीआईजी जेल के निरीक्षण के बाद किया है. सूत्रों के हवाले से खबर है कि 3 और 4 जून को पूर्व जज गिरिबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ को जेल के अंदर वीआईपी ट्रीटमेंट मिलने का जानकारी सामने आई. डीआईजी जेल ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया. इस दौरान गिरिबाला सिंह को ब्लैक कॉफी के साथ अन्य खाद्य सामग्री उपलब्ध कराए जाने की जानकारी स्पष्ट हुई.

गिरिबाला सिंह को स्वास्थ्य परीक्षण के लिए बैरक स्थित अस्पताल वार्ड में भी भर्ती करा गया. उनके बेटे समर्थ सिंह को भी इस दौरान पुरुष बैरक के बी-खंड स्थित अस्पताल वार्ड में भर्ती कराया गया था. मामले में गिरिबाला को बिना किसी गंभीर स्वास्थ्य समस्या के अस्पताल वार्ड में शिफ्ट किया जाना को जेल प्रशासन की गंभीर लापरवाही माना गया. इसके चलते बैरक की सुरक्षा प्रभारी डिप्टी जेलर जया यादव पर गाज गिर गई है.

> जेल के अंदर गिरिबाला और समर्थ को मिली रही सुविधाओं की कथित वीआईपी ट्रीटमेंट संबंधी जांच की रिपोर्ट को तैयार कर डीआईजी जेल ने जेल महानिदेशक को सौंपी है. सूत्र बता रहें है कि मामले में एक अन्य डिप्टी जेलर सहित दो अधिकारियों पर भी जेल प्रशासन जल्द ही एक्शन ले सकता है. बताया यह भी जा रहा है कि कथित वीआईपी ट्रीटमेंट की शिकायतों के जांच स्पष्ट होने पर गिरिबाला और समर्थ की जेल के अंदर मुश्किलें बढ़ सकती हैं. इसके साथ ही रविवार के दिन गिरिबाला सिंह और समर्थ को जेल के अंदर बात करने का मौका भी दिया गया. दोनों ने इस दौरान एकांत में खड़े होकर बातचीत भी की थी. इस मुलाकात को जेल नियम के अनुसार का बताया गया. रविवार के दिन बंदियों के परिजनों से मुलाकात कराई जाती है.

दलदल में डूबने से महिला की मौत

महिला की पहचान अभी तक नहीं की जा सकी

नवभारत न्यूज

मुरैना. यहां एक महिला की दलदल में डूबने से मौत हो गई. उक्त दलदल सरकारी पार्क के लिए अधिग्रहीत जमीन पर गंदगी और पानी जमा होने से बना है. यह हादसा देर रात हुआ. एसडीईआरएफ की टीम ने 3 घंटे रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया, तब जाकर आधी रात के बाद शव निकाला जा सका. महिला की पहचान अभी तक नहीं की जा सकी है. स्थानीय लोगों ने बताया कि जब यह कॉलोनी बनी थी, तब जमीन पार्क बनाने के लिए दी गई थी. पार्क नगर निगम को बनाना था.

महिला ने हरे रंग का नया सलवार सूट पहना था, इसमें सितारे जड़े थे. प्रत्यक्षदर्शी बल्ली गुर्जर ने बताया कि महिला दौड़कर आई और एक पेड़ की आड़ में छिपकर बैठ गई. कुछ देर बाद वह पानी से भरे दलदल में गिर गई. शोर मचाने पर लोग वहां पहुंचे. महिला को दलदल से निकालने के लिए लंबा बांस उसकी ओर बढ़ाया लेकिन महिला उसे पकड़ नहीं पाई. धीरे-धीरे वह बांस से दूर होती गई और आखिरकार दलदल में डूब गई.

एसडीईआरएफ की टीम ने 3 घंटे बाद महिला का शव दलदल से निकाला. जिस जगह पर यह दलदल है, वहां से कॉलोनी के लिए बिजली की मेन लाइन गुजरी है. रेस्क्यू के दौरान पानी में करंट फैलने का खतरा था, इसलिए इलाके की बिजली सप्लाई बंद कर दी गई. अंधेरा होने के कारण एक स्थानीय नागरिक की थार मंगवाई गई. इसकी हेडलाइट की रोशनी का सहारा लेकर एसडीईआरएफ ने रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा किया.

अवैध उत्खनन : एक जेसीबी और चार ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त की

नवभारत न्यूज

मऊगंज, 8 जून. जिले में अवैध उत्खनन एवं खनिज परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए कलेक्टर संजय कुमार जैन के निर्देशन में प्रशासन एवं पुलिस द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है. इसी क्रम में सिंधार्थ महावीरपुर तालाब क्षेत्र में अवैध उत्खनन करते पाए जाने पर एक जेसीबी मशीन तथा चार ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त की गई.

जब्त की गई जेसीबी मशीन एवं ट्रैक्टर-ट्रॉलिय को थाना परिसर में खड़ा करवा दिया है. कलेक्टर संजय कुमार जैन ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जिले में प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा अवैध उत्खनन, अवैध परिवहन एवं शासकीय संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी. उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित निगरानी, संयुक्त निरीक्षण एवं रात्रिकालीन गश्त बढ़ाई जाए ताकि अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके.जिला प्रशासन ने आमजन से भी अपील की है कि अवैध उत्खनन अथवा खनिज परिवहन संबंधी किसी भी गतिविधि की जानकारी तत्काल प्रशासन एवं पुलिस को दें.

कुएं में नहाने गया 19 वर्षीय युवक डूबा

- 24 घंटे बाद एसडीईआरएफ ने निकाला शव

शिवपुरी,8 जून. खनियाधाना थाना क्षेत्र के नयागांव गोलाकोट में एक दर्दनाक हादसे ने पूरे गांव को गमगीन कर दिया. खेत के कुएं में नहाने गए 19 वर्षीय युवक की डूबने से मौत हो गई. युवक कल दोपहर से लापता था, जिसकी तलाश में पुलिस, एसडीईआरएफ और गोताखोरों की टीम लगातार जुटी रही. करीब 24 घंटे बाद आज युवक का शव कुएं से बरामद किया गया.

नयागांव गोलाकोट निवासी अमित जाटव (19) गांव के पास झूतरी की पुलिया के नजदीक स्थित एक खेत के कुएं पर नहाने के लिए गया था. नहाते समय वह कुएं के गहरे हिस्से में पहुंच गया और पानी में डूब गया. जब काफी देर तक अमित घर नहीं लौटा तो परिजनों को चिंता हुई. उसकी तलाश शुरू की गई. इसी दौरान ग्रामीणों को आशंका हुई कि वह कुएं में डूब गया है.

घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण कुएं के पास पहुंच गए. परिजनों ने तत्काल खनियाधाना पुलिस को सूचना दी. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से युवक की तलाश शुरू कर दी. खोज अभियान के बावजूद अमित का कोई पता नहीं चल सका. कुएं की गहराई और पानी अधिक होने के कारण रेस्क्यू अभियान में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा.

एसडीईआरएफ और गोताखोरों ने संभाला मोर्चा

युवक के लापता होने की सूचना पर एसडीईआरएफ टीम और प्रशिक्षित गोताखोरों को भी मौके पर बुलाया गया. पुलिस, गोताखोरों और एसडीईआरएफ की संयुक्त टीम ने रात तक खोजबीन जारी रखी, लेकिन सफलता नहीं मिली. सुबह एक बार फिर रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया. कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद अमित जाटव का शव कुएं से बाहर निकाल लिया गया.

हत्या कर कुएं में शव फेंकने वाले 3 आरोपियों को उम्रकैद

सिंगरौली. देवसर स्थित पंचम अपर सत्र न्यायालय ने बहुचर्चित हत्या प्रकरण में तीन आरोपियों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है. पंचम अपर सत्र न्यायाधीश सोनल चौरसिया द्वारा फैसला सुनाते हुए आरोपी शिवसागर उर्फ रिंकू बियार उम्र 25 वर्ष, अंशू बियार उम्र 26 वर्ष तथा उमेश उर्फ मुनेश कुमार बियार उम्र 23 वर्ष निवासी ग्राम गोंदवाली थाना बरगवां को हत्या और साक्ष्य मिटाने के अपराध में दोषी पाया. अपर लोक अभियोजक मारकण्डेय मणि त्रिपाठी के अनुसार घटना 5 जून 2022 से 7 जून 2022 के बीच की है.

आरोह 2026 समर कैंप का हुआ समापन

रतलाम। ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह 2026 का शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कराडिया में भव्य समापन हुआ। कार्यक्रम का आयोजन शिक्षा विभाग एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। ब्लॉक खेल समन्वयक दुर्गा शंकर मोयल ने बताया कि 5 मई से 5 जून तक आयोजित समर कैंप श्खेलो सीखो आगे बढ़ोश् थीम पर आधारित था।

शिविर के दौरान प्रतिभागियों को फिट इंडिया मूवमेंट, व्यक्तिगत विकास, संस्कृति, मनोरंजन एवं खेल गतिविधियों के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता संबंधी विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। बच्चों ने उत्साहपूर्वक एथलेटिक्स एवं खो-खो खेल की तकनीकी बारीकियां सीखीं।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कराडिया सरपंच पप्पू सिंह राठौर उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथियों में विद्यालय के प्राचार्य रामचंद्र पोरवाल, खेल प्रकोष्ठ के अतुल वर्मा, ललित शर्मा, शैलेंद्र गोयल, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के ब्लॉक समन्वयक दुर्गा शंकर मोयल तथा विद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित थे। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में पीटीआई बद्री लाल बसेर एवं प्रशिक्षक अनीषा निंबोला का विशेष सहयोग रहा। शिविर को सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को अतिथियों द्वारा टी-शर्ट एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए। सम्मान प्राप्त कर बच्चों में विशेष उत्साह दिखाई दिया।

107 बीघा भूमि अतिक्रमण मुक्त कराई

भूमि का कब्जा रामजानकी ट्रस्ट मंदिर ट्रस्ट को सौंपा

ग्वालियर, 9 जून. सोमवार को प्रभारी कलेक्टर कुमार सत्यम के निर्देश पर गई जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने विकासखंड घाटीगांव के अंतर्गत झांकरी ग्राम में बड़ी कार्रवाई कर श्री रामजानकी ट्रस्ट रानी घाटी मंदिर की 107 बीघा भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया.

एसडीएम भितरवार राजीव समाधिया के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई के दौरान भूमि पर अवैध रूप से कब्जा किए हुए लोगों को बेदखल कर मंदिर की जमीन का विधिवत कब्जा मंदिर के पुजारी कमलानंद महाराज को सौंपा गया. अतिक्रमण से मुक्त कराई गई भूमि की अनुमानित बाजार कीमत 11 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है.

कार्रवाई के दौरान राजस्व विभाग एवं पुलिस बल की मौजूदगी में मौके पर कब्जा दिलाने की प्रक्रिया पूरी की गई. मंदिर के पुजारी द्वारा भूमि की सीमाओं पर मुड्डियां गड़वाकर भूमि का कब्जा प्राप्त किया गया. जानकारी के अनुसार लगभग 35 अतिक्रमणकारी पिछले 25 से 30 वर्षों से इस भूमि पर अवैध रूप से कब्जा किए हुए थे. यह कार्रवाई एसडीएम भितरवार राजीव समाधिया, एसडीओपी जितेन्द्र नगाइच, तहसीलदार रुचि अग्रवाल, नायब तहसीलदार पूजा मावई, थाना प्रभारी भितरवार एवं चीनोर सहित राजस्व विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा पुलिस बल की उपस्थिति में हुई.

अवैध कोडीन युक्त ऑनरेक्स कफ सिरप के साथ आरोपी गिरफ्तार

- थाना अमिलिया पुलिस ने घेराबंदी कर की कार्रवाई

सीधी,8 जून थाना अमिलिया पुलिस ने दबिश कार्रवाई करते हुए अवैध कोडीन युक्त ऑनरेक्स कफ सिरप के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव एवं एसडीओपी चुरहट के मार्गदर्शन में थाना अमिलिया पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित कफ सिरप एवं परिवहन में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जप्त की गई है।

पुलिस के अनुसार दिनांक 07 जून 2026 को थाना अमिलिया पुलिस की टीम अपराध विवेचना एवं क्षेत्र भ्रमण के दौरान ग्राम कोदौरा में मौजूद थी। इसी दौरान विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति अवैध रूप से कोडीन फॉस्फेट युक्त ऑनरेक्स कफ सिरप लेकर हनुमना की ओर से हिनौती आ रहा है। सूचना की तस्दीक करते हुए पुलिस टीम द्वारा स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में ग्राम हरदी स्थित मुड़ा पहाड़ शिव मंदिर के पास घेराबंदी की गई। कुछ समय बाद मुखबिर के बताए अनुसार एक व्यक्ति विक्रांता मोटरसाइकिल से आता दिखाई दिया, जिसे रोककर पूछताछ एवं वैधानिक कार्यवाही की गई। तलाशी के दौरान आरोपी के पास रखे बैग से 26 शीशी ऑनरेक्स कफ सिरप (प्रत्येक 100 एमएल) बरामद हुई, जिसमें कोडीन फॉस्फेट पाया गया। आरोपी से उक्त मादक पदार्थ के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया, किंतु वह कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। जप्त सामग्री में 26 शीशी कोडीन युक्त ऑनरेक्स कफ सिरप अनुमानित कीमत10,400 रुपये, विक्रांता मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 53 एमजी 3612 अनुमानित कीमत 70 हजार, कुल जप्त सामग्री की कीमत 80,400 रूपये है। गिरफ्तार आरोपी में रत्नेश सोनी पिता हरिप्रसाद सोनी उम्र 29 वर्ष निवासी हिनौती, थाना अमिलिया, जिला सीधी है।

जीडीए उपाध्यक्ष गुप्ता ने भोपाल के विकास कार्यों को देखा

ग्वालियर. विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष सुधीर गुप्ता ने आज भोपाल विकास प्राधिकरण के ऑफिस में भोपाल प्राधिकरण के प्रशासनिक अधिकारी, सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर एवं अन्य अधिकारियों से भोपाल में किए गए विकास कार्य एवं आगामी प्रस्तावित योजनाओं की जानकारी लेकर विस्तृत चर्चा की. इस अवसर पर भोपाल प्राधिकरण के अधिकारियों द्वारा भोपाल विकास प्राधिकरण के विकास कार्यों का ब्रोशर एवं भोपाल विकास प्राधिकरण के बजट की प्रति सुधीर गुप्ता को भेंट की गई.

आयोजन | प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के 10 वर्ष पूर्ण होने पर आज विशेष मातृत्व स्वास्थ्य शिविर लगेंगे

समय पर जांच से सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित : शुक्ल

भोपाल, 8 जून. उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि सुरक्षित मातृत्व प्रत्येक महिला का अधिकार है. राज्य सरकार गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है. उन्होंने प्रदेश की सभी गर्भवती महिलाओं एवं उनके परिजनों से अपील की है कि वे 9 जून को आयोजित विशेष प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविरों में पहुंचकर निःशुल्क जांच, परामर्श एवं उपचार सुविधाओं का लाभ अवश्य लें.

उन्होंने कहा कि गर्भावस्था दी समय पर जांच एवं उच्च जोखिम स्थितियों की शीघ्र पहचान से मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है और सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित किया जा सकता है. उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा है कि इस अभियान को जन-आंदोलन के रूप में संचालित करते हुए प्रत्येक गर्भवती महिला तक गुणवत्तापूर्ण प्रसवपूर्व सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की जाए, जिससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में और कमी लाई जा सके. प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान में 2.94 लाख उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं की पहचान कर उचित उपचार का किया गया प्रबंधन प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) के अंतर्गत मध्यप्रदेश में मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं. वित्तीय वर्ष 2025-26 में अभियान के तहत पंजीकृत 14.31 लाख गर्भवती महिलाओं में से 10.25 लाख महिलाओं की प्रसवपूर्व जांच (एएनसी) की गई, जो कुल पंजीकृत गर्भवतियों का लगभग 72 प्रतिशत है. जांच के दौरान 2.94 लाख महिलाओं को उच्च जोखिम गर्भावस्था (हाई रिस्क प्रेगनेंसी-एचआरपी) के रूप में चिन्हित किया गया, जिनमें से 2.60 लाख अर्थात 88 प्रतिशत महिलाओं को निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार आवश्यक उपचार, प्रबंधन एवं रेफरल सेवाएं उपलब्ध कराई गईं. अपर मिशन संचालक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, सुश्री दिशा प्रणय नागवंशी ने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के सफलतापूर्वक 10 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 9 जून को प्रदेश के सभी जिलों में विशेष पीएमएसएमए शिविर आयोजित किए जाएंगे.